वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 219 | गुरुवार 7 दिसम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

पूर्व सीएम वसुंधरा राजे दिल्ली में

संगठन के नेताओं से मुलाकात के कयासों के बीच एयरपोर्ट पर कहा- बहू से मिलने जा रही हूं...

जयपुर. कासं

पूर्व सीएम वसुंधरा राजे को दिल्ली बुलाया गया है। वह बुधवार रात को दिल्ली पहुंच गईं। वे गुरुवार को संगठन के नेताओं से मुलाकात करेंगी। दिल्ली बुलाने के कयासों के बीच वसुंधरा ने एयरपोर्ट पर कहा- मैं बहू से मिलने दिल्ली जा रही हूं। राजस्थान में विधानसभा चुनावों का रिजल्ट घोषित हुए तीन दिन हो चुके हैं, लेकिन अब तक मुख्यमंत्री को लेकर असमंजस बरकरार है। अभी तक बीजेपी विधायक दल की बैठक और सीएम के नाम को लेकर कोई फैसला नहीं हो पाया है। विधायक बने भाजपा के 3 सांसदों ने सांसद पद से इस्तीफा दे दिया है। इनमें दीया कुमारी, किरोड़ीलाल मीणा और राज्यवर्धन सिंह राठौड़ शामिल हैं। हालांकि महंत बालकनाथ ने इस्तीफा नहीं दिया है। जिन 2 लोकसभा सांसदों ने इस्तीफा दिया है, उनकी सीट पर उपचुनाव नहीं होंगे, क्योंकि लोकसभा चुनावों में अब 6 महीने से भी कम समय बचा है। दीया कुमारी राजसमंद, राज्यवर्धन सिंह राठौड़ जयपुर ग्रामीण सीट से सांसद थे। वहीं किरोड़ी मीणा राज्यसभा सांसद थे, इसलिए उनके इस्तीफे से खाली हुई सीट पर जरूर राज्यसभा चुनाव होगा। इस्तीफा देने के बाद विधायक बने सांसद संसद भवन में ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले। वहीं दीया कुमारी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी मुलाकात की। इधर, मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर भाजपा में दिल्ली से लेकर जयपुर तक अंदर खाने बैठकें और मंथन चल रहा है। मंगलवार शाम को प्रधानमंत्री आवास पर अमित शाह और जेपी नड्डा के बीच 4 घंटे बैठक चली है। बीजेपी नेता जल्द राजस्थान सीएम के नाम पर फैसला होने का दावा कर रहे हैं। राजस्थान बीजेपी में यह पहला मौका है जब मुख्यमंत्री को लेकर असमंजस बना है, इससे पहले कभी ऐसा नहीं हुआ। बीजेपी मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करके ही चुनाव लड़ती रही है, इसलिए कभी नतीजे आने के बाद असमंजस नहीं हुआ। पहले भैरोसिंह शेखावत बीजेपी के सीएम चेहरे हुआ करते थे। 2003, 2008, 2013 और 2018 के विधानसभा चुनावों में वसुंधरा राजे पहले से सीएम चेहरा घोषित थीं, इसलिए असमंजस नहीं हुआ। 2003 और 2013 में वसुंधरा राजे का पहले से ही सीएम बनना तय था, इसलिए नतीजे आने के बाद ही सीएम की शपथ का टाइम तय हो जाता था, विधायक दल की बैठक में नाम की घोषणा केवल औपचारिकता ही रहती थी। दोनों ही बार वसुंधरा राजे ने 13 दिसंबर को शपथ ली थी।

एक दिन पहले दिल्ली में बैठक, आज विधायक दल की बैठक का ऐलान संभव

राजस्थान सीएम को लेकर दिल्ली तक हलचल शुरू हो गई है। इसी का लेकर बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मंगलवार शाम पीएम नरेंद्र मोदी से मुख्यमंत्री चयन को लेकर चर्चा की थी। पीएम से नड्डा की इस मुलाकात के बाद अब राजस्थान सीएम पर फैसले की प्रक्रिया आगे बढ़ने की संभावना है। इस मुलाकात के बाद ऐसा तय माना जा रहा है कि बीजेपी बुधवार को विधायक दल की बैठक बुलाने की तारीख का ऐलान कर सकती है। वहीं मंगलवार को मिलने आए विधायकों को भी उनके क्षेत्र में जाकर एक्टिव रहने के लिए कह दिया गया है। संगठन की ओर से मैसेज पहुंचाया गया है कि जब भी बैठक होगी, आपको जयपुर बुला लिया जाएगा।

2018 में नतीजों के सप्ताह भर बाद सीएम का फैसला हुआ था, 10 दिन बाद हुई थी शपथ

मुख्यमंत्री को लेकर कांग्रेस में आम तौर पर फैसले लंबे खींचते रहे हैं, 2018 में कांग्रेस सरकार के गठन में अशोक गहलोत और सचिन पायलट विवाद के कारण देरी हुई थी। 7 दिसंबर 2018 को नतीजे घोषित हुए, एक सप्ताह बाद मुख्यमंत्री पद को लेकर कांग्रेस में खींचतान चली, 10 दिसंबर 2018 को अशोक गहलोत ने सीएम और सचिन पायलट ने डिप्टी सीएम की शपथ ली थी।

बीजेपी में सीएम पर फैसला लंबा खींचने पर सियासी चर्चाएं

बीजेपी में मुख्यमंत्री का फैसला लंबा खींचने को लेकर सियासी हलकों में कई तरह की

चर्चाएं चल रही हैं। अब तक सीएम पर फैसला नहीं होने के पीछे केंद्रीय नेतृत्व की रणनीति को कारण माना जा रहा है। राजस्थान बीजेपी में सीएम चेहरों की लंबी कतार है, ऐसे में देरी के पीछे सबका मन टटोल कर सर्वसम्मति बनाने की कोशिश से जोड़कर देखा जा रहा है। राजस्थान विधानसभा चुनाव में भाजपा को पूर्ण बहुमत मिलने के बाद अब सीएम रेस को लेकर शक्ति प्रदर्शन शुरू हो चुका है। वसुंधरा राजे के बाद अब संगठन भी खुलकर सामने आ गया है और बीजेपी कार्यालय प्रदेश मुख्यालय व संगठन से मिलने आ रहे विधायकों के नाम जारी किए जा रहे हैं।

जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का तप कल्याणक दिवस आज गुरुवार को

दिगम्बर जैन मंदिरों में होंगे पूजा अर्चना के विशेष आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का तप कल्याणक महोत्सव मार्गशीर्ष कृष्ण दशमी गुरुवार, 7 दिसम्बर को भक्ति भाव से मनाया जाएगा। इस मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन होंगे। अभादिजैन परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि प्रातः भगवान महावीर स्वामी के अभिषेक, शांतिधारा के बाद पूजा अर्चना की जावेगी। पूजा के दौरान मंत्रोच्चार के साथ तप कल्याणक अर्घ्य चढ़ाया जाएगा। महाआरती के बाद समापन होगा।

स्त्री

स्त्री हूं मैं, स्त्री हूं
जीवन भर बस मैंने झेला है।
कभी सुता,कभी भार्या बनकर
बंदिशों का लगा मेला है।
''लोग क्या कहेंगे'' बस
इस बात की दी गई दुहाई है।
मान सम्मान मर्यादा की खातिर बस
मेरी बलि ही गई चढ़ाई है।
लक्ष्मी बना करके घर की
उसूलों की खातिर
मुझे ही व्यय कर डाला है।
इतिहास गवाह है जब मैंने
अपना कदम बढ़ाया है
मेरे खुदके अपनों ने ही
मेरा अवमर्दन कर डाला है।
स्त्री हूं मैं स्त्री हूं
जीवन भर बस मैंने झेला है

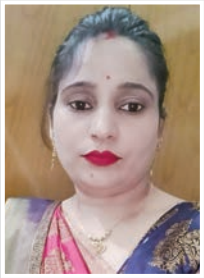

स्वरचित
रचना शर्मा

जयपुर. शाबाश इंडिया। भाजपा नेता,पूर्व पार्षद एवम विवेक विहार जैन समाज के जॉइंट सेक्रेटरी नरेश जैन ने सिविल लाइन विधायक गोपाल शर्मा से मिलकर उन्हें बहुत-बहुत बधाई दी।

श्री चमत्कारेश्वर महादेव मंदिर में भागवत कथा का छठा दिन

भगवान के चरणों में जिसकी प्रगाढ़ प्रीति है, वही है जीवन मुक्त : जगद्गुरु शंकराचार्य

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्रीमती नर्बदा देवी शर्मा धर्मपत्नी विष्णु शर्मा की पुण्य स्मृति में झोटवाड़ा रोड स्थित श्री चमत्कारेश्वर महादेव मंदिर मे चल रहे श्रीमद भागवत कथा ज्ञानयज्ञ के छठवें दिन बुधवार को काशी धर्मपीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नारायणानन्द तीर्थ जी महाराज ने कहा कि भागवत कथा के महत्व को बताते हुए कहा कि जो भक्त प्रेमी कृष्ण रुक्मिणि के विवाह उत्सव में शामिल होते हैं उनकी वैवाहिक समस्या हमेशा के लिए समाप्त हो जाती है। भगवान श्रीकृष्ण रुक्मणी के विवाह की झांकी ने सभी को खूब आनंदित किया। कथा के दौरान भक्तिमय संगीत ने श्रोताओं को आनंद से परिपूर्ण किया। इस मौके पर सिविल लाइंस क्षेत्र के विधायक गोपाल शर्मा ने कथा का श्रवण किया और महाराजश्री से आशीर्वाद लिया। महाराज जी ने कहा कि नंदालय में गोपियों का तांता लगा रहता है। हर गोपी भगवान से प्रार्थना करती है कि किसी न किसी बहाने कन्हैया मेरे घर पधारें। जिसकी भगवान के चरणों में प्रगाढ़ प्रीति है, वही जीवन मक्त है। एक बार माखन चोरी करते समय मैया यशोदा आ गईं तो कन्हैया ने कहा कि मैया तुमने इतने मणिमय आभूषण पहना दिए हैं जिससे मेरे हाथ गर्म हो गए हैं तो माखन की हांडी में हाथ डालकर इन हाथों को शीतलता प्रदान कर रहा हूं। रुक्ष्महाराज जी ने कहा कि जब श्री कृष्ण ने गोवर्धन पर्वत का पूजन करवाया तो इंद्र ने क्रोधित हो ब्रज मंडल में मूसलाधार वर्षा करवाई भगवान कृष्ण ने एक उंगली पर गिरिराज पर्वत उठाया और कहा आ जाओ गिरिराज की शरण में ऐसे ब्रज वासियों की रक्षा की। कथा प्रसंग को आगे बढ़ाते हुए महाराज जी ने दशम स्कंधगत महारास का वर्णन करते हुए बताया कि रास पंचाध्यायी भागवत के पंचप्राण हैं। रास पंचाध्यायी के पठन श्रवण से सहज ही वृंदावन की भक्ति प्राप्त हो जाती है। रासके दो स्वरूप नित्य और नैमित्तिक हैं नित्य आज भी वृंदावन में दर्शनीय होता है जो आज भी चल रहा है वृन्दावनम्परित्याज्य पादमेकम् न गच्छति, नित्य स्वरूप पल भर के लिए भी वृंदावन से बाहर नहीं जाता, रासलीला कामलीला ना होकर बल्कि काम पर विजय प्राप्त करने वाली लीला है। कृष्ण के दो रूप वह साकार है और निराकार भी है। साकार स्वरूप आज भी वृंदावन से बाहर नहीं जाता है भगवान श्री कृष्ण ने सुदामा माली पर कृपा, रजक उद्धार कुब्जा अनुग्रह वर्णन करते हुए मामा कंस का वध किया, गोपी उद्धव संवाद की सुंदर व्याख्या का वर्णन किया, श्री कृष्णा अवंतिकापुरी विद्या अध्ययन करने गए और 64 दिन में 64 विद्याओं को ग्रहण किया गुरु दक्षिणा में गुरु पुत्र लाकर के दिया। विद्या अध्ययन के पश्चात द्वारकापुरी का निर्माण कराया और वहां के राजा द्वारकाधीश कहलाए द्वारका में भगवान श्री कृष्ण ने रुक्मणी जी के साथ विवाह किया। महाराज जी ने कहा कि सर्वेश्वर भगवान श्रीकृष्ण ने ब्रज में अनेकानेक बाल लीलाएं कीं, जो वात्सल्य भाव के उपासकों के चित्त को अनायास ही आकर्षित करती हैं।

विकसित भारत संकल्प जनसंवाद यात्रा को लेकर लोगों में दिखा भारी उत्साह

गांव बाजेकां, बेगु, माखा व असीर में विकसित भारत संकल्प जनसंवाद कार्यक्रमों का आयोजन

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। विकसित भारत संकल्प जनसंवाद यात्रा को लेकर जिला के लोगों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा हैं। इस यात्रा के माध्यम से जहां लोगों को केंद्र व प्रदेश सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी मिली रही है, वहीं जन संवाद कार्यक्रम के दौरान वे अपनी समस्याओं का भी मौके पर ही निवारण करवा रहे हैं। इसी कड़ी में बुधवार को जिला के गांव माखा के राजकीय प्राइमरी स्कूल व गांव असीर के राजकीय मिडल स्कूल तथा गांव बाजेकां के राजीव गांधी सेवा केंद्र, गांव बेगु के राजकीय वरिष्ठद माध्यमिक विद्यालय में विकसित भारत संकल्प जनसंवाद कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। गांव माखा व असीर में आयोजित कार्यक्रम में हरियाणा मार्केटिंग बोर्ड के चेयरमैन आदित्य देवीलाल व गांव बाजेकां व बेगु में आयोजित कार्यक्रम में जिला महामंत्री अमन चोपड़ा भी मौजूद रहे। इस दौरान उपस्थित लोगों को भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की शपथ दिलाई। इस मौके पर अतिरिक्त उपायुक्त व यात्रा के नोडल अधिकारी डा. विवेक भारती भी मौजूद रहे। चेयरमैन आदित्य देवीलाल ने कहा कि हर भारतीय का सपना है कि अपना भारत विकसित बने। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमृत काल में वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का रोडमैप तैयार कर कार्य शुरू कर दिया है। तेजी से व्यवस्था परिवर्तन का काम हो रहा है। वर्तमान सरकार ने परिवार व व्यक्ति महत्वपूर्ण वाली व्यवस्था बदल दी है और अब सिस्टम व संस्थान महत्वपूर्ण हो रहे हैं। भाजपा की नीति है कि देश की प्रगति का लाभ अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पंहुचे। मोदी-मनोहर सरकार का ध्येय सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व वंचित व्यक्ति तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि मनोहर सरकार ने प्रदेश हित के ड्रीम प्रोजेक्ट या आमजन से जुड़ी महत्वाकांक्षी योजनाओं की तय सीमा के अंदर डिलिवरी सुनिश्चित करते हुए अनुकरणीय कदम बढ़ाए हैं।

आज होगा आचार्य श्री का थूवोन जी प्रवेश

जीवों के प्रति दया का भव हमेशा बनाये रखें: आचार्य श्री

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

नगर में विराजमान परमपूज्य आचार्य श्री आर्जव सागर जी महाराज ससंघ मुनि श्री भाग्य सागर जी महाराज मुनिश्री महत सागर जी महाराज मुनिश्री सजग सागर जी महाराज मुनिश्री सआनंद सागर जी महाराज अशोक नगर से विहार कर सहोदरी रात्रि विश्राम कर भीकली में आहार चर्चा सम्पन्न हुआ। दोपहर बाद आचार्य संघ ने आज शाम को चार बजे दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी की ओर विहार कर रात्रि विश्राम तारई ग्राम में किया जहां से कल प्रातः काल थूवोनजी की ओर पद विहार होगा। इसके पहले भीकली में कमेटी के मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में सन् उन्नीस सौ सतासी में थूवोनजी चातुर्मास किया पूर्व में भी थूवोनजी पधारें है। दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी चातुर्मास में लगा तार निवेदन करती रही है और आज वह अवसर आ गया जब आचार्य श्रीआर्जवसागर जी महाराज संघ सहित थूवोनजी की ओर बढ़ रहे हैं इस दौरान अशोक नगर के श्रावकों ने आचार्य श्री की चरण वंदना की। कभी किसी का अपमान मत करना बल्कि अपनापन देना इस दौरान आचार्य श्री आर्जवसागर जी महाराज ने कहा कि बुरा समय आने के कुछ लक्षण होते हैं। घर में सब तरह की मौज-मस्ती होते हुए भी अगर क्लेश रहता है तो समझ लेना कि विनाश का समय निकट है। आचार्य श्री ने कहा कि सब तरह से सब कुछ होते हुए भी कर्जा नहीं उतारें व दान न दें तो समझो विनाश के लक्षण हैं। बेटा अगर बाप की व शिष्य गुरु की अविनय करता है, अवमानना करता है ....तो वह विनाश का कारण है। नगर में व्यसनों को बढ़ावा मिले तो समझ लेना विनाश अवश्यसंभावी है। इसलिए कभी भी किसी को अपमान मत देना बल्कि अपनापन देना।

वेद ज्ञान

ईश-कृपा

स्वाभाविक रूप से सभी प्राणियों पर प्रभु सदैव कृपा करते हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि वह सहज कृपाला दीनदयाला हैं। प्रत्येक प्राणिमात्र पर वह कृपा करते हैं। वह कृपानिधान कृपा की दिव्य अलौकिक मूर्ति हैं। उन कृपामय की अनवरत अक्षुण्ण रूप से प्रवाहित कृपाधारा में सभी अवगाहन कर सकते हैं। ईश्वर की कृपाधारा में देश, काल, पात्र की अपेक्षा नहीं की जाती। मनुष्य इस प्रकार की सर्वसुलभ कृपा की गंगा में गोते लगाकर अपने को पवित्र नहीं कर पाता। मोह, अविद्या के अंधकार से घिरा व्यक्ति उसके समीप भी नहीं जाता। हमको यह नहीं भूलना चाहिए कि प्रतिक्षण अनुभव में आने वाली भगवत्कृपा सुधामय प्राणी का प्राण है। कृपामय जीवन ही वास्तविक जीवन है, सफल और कृतकृत्य है। प्रभु की मनुष्य मात्र पर बरसती कृपा का स्वरूप क्या है? इसके उत्तर में यही कहा जा सकता है कि सबसे पहले तो मनुष्य-शरीर की प्राप्ति ही उनकी कृपा का परिणाम है। भारत-भूमि में जन्म, स्वस्थ शरीर, शुद्ध धनोपार्जन, तीर्थों की उपस्थिति, सत्संग और कीर्तन-भजन आदि उन्हीं की कृपा का प्रतिफल है। प्रभु की कृपा अनुकूल-प्रतिकूल समस्त परिस्थितियों में निहित है। अनुकूल परिस्थितियों में वह है ही, किंतु प्रतिकूलता में छिपी ईश-कृपा उस कटु दवा के समान है, जो सेवनकाल में अप्रिय प्रतीत होते हुए भी परिणाम में सुखद है। भगवत्प्राप्ति साधन-साध्य नहीं, बल्कि कृपासाध्य है। साधनों का त्याग कदापि अभिलक्षित नहीं है, जैसे ढके हुए पात्र में वर्षा का जल नहीं भर सकता, ठीक उसी प्रकार कृपा से लाभान्वित होने के लिए साधनों से यथासंभव मुख नहीं मोड़ना चाहिए। कृपा अभिलाषी बने रहना मानवमात्र के लिए अभीष्ट है। कृपा-अभिलाषिता का स्वरूप कैसा हो? अपने अभिमान को पूर्णतया भूलकर सतत-साधन स्वरूप स्वधर्म का पालन करते हुए प्रभु-कृपा की बाट जोहना। साधक यह विश्वास रखे कि प्रभु ही इसका कर्ता-धर्ता है, उनकी अहैतुक कृपा से ही हमारा अस्तित्व है और भविष्य में भी उनकी कृपा रहेगी। कृपा-साधक को स्नेहमयी भगवत्कृपा की प्राप्ति के लिए सदैव उत्कंठित और लालायित बने रहना चाहिए। इसे इसी तरह समझना चाहिए कि इस मंत्र को आत्मसात किए बिना किसी भी तरह की मुक्ति संभव नहीं।

संपादकीय

वैश्विक स्तर पर किए जा रहे प्रयास नहीं रोक पाए जलवायु संकट

जलवायु संकट का समाधान निकालने के लिए वैश्विक स्तर पर जो भी प्रयास हो रहे हैं, उनमें भारत ने बढ़-चढ़ कर अपनी भूमिका निभाई है। मगर इस क्रम में कई बार बिगड़ते जलवायु का हवाला देकर ऐसे कायदे समान रूप से सभी देशों के लिए जरूरी बनाने की कोशिश की जाती है, जिन्हें प्रथम दृष्टया तो कारगर कहा जा सकता है, मगर दूसरे स्तर पर वे कुछ देशों के लिए मुश्किल या फिर नुकसानदेह भी साबित हो सकते हैं। दुबई में सीओपी28 के जारी सम्मेलन में जलवायु संकट के सवाल पर जो चिंताएं जाहिर की गईं, समस्या के हल के लिए जो लक्ष्य निर्धारित किए गए, भारत ने अपनी सीमा में उन सबसे सहमति जताई है।साथ ही, कार्बन उत्सर्जन को कम करने के क्षेत्र में भारत ने जितनी गंभीरता से काम किया है, उसका भी उल्लेख किया गया। भारत को इस बात की भी चिंता करनी है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जो नियम-कायदे तय किए जाते हैं, उन पर अन्य देश भले सहमत हों, लेकिन कोई खास

नियम या बिंदु यहां के संदर्भ में कितने उपयुक्त हैं या फिर कहीं उससे देश के सामने कोई नई समस्या तो नहीं खड़ी हो जाएगी । यही वजह है कि भारत ने जलवायु और स्वास्थ्य को लेकर तैयार किए गए सीओपी28 घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करने से परहेज किया। खबर के मुताबिक, घोषणापत्र के दस्तावेज में स्वास्थ्य देखभाल के बुनियादी ढांचे के भीतर शीतलन या ह्यकूलिंग उपकरणोंह्ल के लिए ग्रीनहाउस गैसों के उपयोग पर अंकुश लगाने की शर्त थी। दरअसल, कम समय में देश के मौजूदा स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे के मद्देनजर ग्रीनहाउस गैसों के उपयोग को सीमित करने का लक्ष्य हासिल करना भारत के लिहाज से व्यावहारिक नहीं था। घोषणापत्र में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में गहन, तीव्र और निरंतर कटौती से स्वास्थ्य के लिए लाभ प्राप्त करने के मकसद से जलवायु कार्रवाई का आह्वान किया गया है। इसमें उचित बदलाव, कम वायु प्रदूषण, सक्रिय गतिशीलता और स्वस्थ पोषण शामिल है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि बीते कई दशकों में जलवायु संकट पर जताई जाने वाली चिंता के समांतर तमाम अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में हल के उपायों पर जोर देने के बावजूद यह समस्या लगातार गहराती गई है। इन हालात के लिए ग्रीनहाउस गैसों या कार्बन उत्सर्जन जैसे कारणों और उसमें विकसित देशों की भूमिका बिल्कुल स्पष्ट रही है। जहां तक भारत का सवाल है, कार्बन उत्सर्जन के मामले में इसने अपेक्षा से ज्यादा तेज रफ्तार से सुधार किया और समय से पहले ही इसमें काफी कमी लाने में कामयाब रहा। दूसरी ओर यह भी हकीकत है कि भारत जैसे कई देशों में अब भी स्वास्थ्य और कुछ अन्य क्षेत्रों में शीतलन की प्रक्रिया एक अनिवार्यता है और इसीलिए घोषणापत्र के इस बिंदु का पूरी तरह अनुपालन करना भारत के लिए मुश्किल है। यों भी, भारत में फिलहाल स्वास्थ्य मामले में बुनियादी सेवाओं की जो तस्वीर है, उसमें अगर शीतलन के लिए ग्रीनहाउस गैस में एक सीमा से ज्यादा कटौती की जाती है, तो उससे चिकित्सा सेवा के क्षेत्र की जरूरतों को पूरा करने में बाधा आ सकती है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

सुरक्षा का मसला

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के नए आंकड़े महिला और बाल अपराध की स्याह तस्वीर दिखाते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2022 में महिलाओं के खिलाफ विभिन्न अपराधों से जुड़े कुल 4, 45,256 मामले दर्ज किए गए, जो साल 2021 और 2020 में क्रमशः 4,28,278 और 3,71,503 थे। इनमें से भी अधिकांश मामले पति या परिजनों द्वारा की गई क्रूरता (31.4 फीसदी) के हैं, जिसके बाद अपहरण (19.2 प्रतिशत) के मामले दर्ज किए गए। बलात्कार के प्रयास से जुड़े 18.7 फीसदी और बलात्कार के 7.1 प्रतिशत मामले पिछले साल सामने आए हैं। प्रति एक लाख महिला जनसंख्या पर अपराध की जो दर वर्ष 2021 में 64.5 प्रतिशत थी, वह 2022 में बढ़कर 66.4 हो गई है। इसी तरह, बच्चों के खिलाफ अपराध में भी 2021 की तुलना में करीब आठ फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिनमें से अधिकांश मामले अपहरण (45.7 प्रतिशत) और पॉक्सो एक्ट (39.7 प्रतिशत) के हैं। इन आंकड़ों से बहुत हैरानी नहीं होती। पूरे वर्ष जिस तरह से मीडिया में खबरें आती रहीं, उससे यह अंदाजा था ही कि महिलाओं व बच्चों के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं। हालांकि, इस वृद्धि की एक वजह कोविड- प्रतिबंधों की विदाई भी है। साल 2021 तक कोरोना महामारी के कारण कई तरह के प्रतिबंध आयद थे और लोग सीमित संख्या में घरों से बाहर निकल रहे थे। ऐसे में, महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराध भी दबे रह गए थे, लेकिन 2022 में जैसे ही पूरा तंत्र व्यवस्थित हुआ, दर्ज मामलों की संख्या में उछाल आ गया। आखिर इन पर कैसे लगाम लगे? सबसे पहले, लंबित मुकदमों का जल्द निपटारा होना चाहिए। कानून होने के बावजूद महिला या बच्चों से जुड़े अपराध इसलिए कम नहीं हो रहे, क्योंकि लोगों को न्याय मिलने में देर हो जाती है। इससे कानून बेअसर साबित होने लगता है। ऐसा नहीं है कि अभी महिलाओं से जुड़े जो कानून हैं, उनमें सुधार की गुंजाइश नहीं है, लेकिन उनके उचित क्रियान्वयन के अभाव में वे पूरी तरह से प्रभावी नहीं हो पा रहे हैं। इसी तरह, महिला सुरक्षा को सामाजिक-राजनीतिक मुद्दा बनाने की भी जरूरत है। अभी जितना ध्यान अन्य मसलों पर दिया जाता है, या महिलाओं को लेकर ही जितनी योजनाएं बनाई जाती हैं, उतनी अगर उनकी सुरक्षा पर भी बात होती, तो तस्वीर कुछ अलग होती। महिलाओं की हत्या, मारपीट, घरेलू अपराध आदि पर राजनीतिक सवाल उठने चाहिए, लेकिन इसकी कम ही चर्चा होती है। जन-जागरूकता बढ़ाने की दिशा में भी गंभीरता से काम होना चाहिए। महिलाओं से जुड़ी जानकारी का दायरा बढ़ाना होगा, खासकर लड़कों व पुरुषों को यह पता होना चाहिए कि औरतों से जुड़े कौन से मसले अपराध के दायरे में आते हैं। सूचना जनसंपर्क जैसे विभागों को महिलाओं के खिलाफ होने वाली हिंसा को रोकने के उपाय गांव-गांव में प्रसारित करने चाहिए। सच यही है कि आज जितने मामले दर्ज हो रहे हैं, उनमें बमुश्किल 10 फीसदी हिस्सेदारी ग्रामीण भारत की है, शेष 90 फीसदी मामले महानगरों या बड़े शहरों में दर्ज हो रहे हैं। जाहिर है, पुलिस-प्रशासन को कहीं अधिक संवेदनशील बनाना होगा, विशेषकर छोटे कस्बों और गांवों में महिला अथवा बाल अपराध के मामले बिना किसी रुकावट के दर्ज हो सकें, इसकी व्यवस्था हमें करनी होगी।

07 दिसंबर को निर्यापक मुनिपुंगवश्री का ताजगंज जैन मंदिर में होगा भव्य मंगल प्रवेश

8 और 9 दिसम्बर को ताजखेमा में मुनिवर की खिरेगी दिव्य मंगलवाणी

आगरा. शाबाश इंडिया

कमलानगर में हुए प्रवास के बाद संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम शिष्य निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज एवं क्षुल्लक श्री गंभीर सागर जी महाराज ससंघ का पदार्पण ताजगंज के श्री पारसनाथ दिगम्बर जैन पंचायती मंदिर में होगा। दिनांक 7 दिसंबर को दोपहर 2 बजे मुनिसंघ श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर डी ब्लॉक कमला नगर से मंगल विहार करते हुए श्री पारसनाथ दिगंबर जैन पंचायती मन्दिर ताजगंज के लिये चलेंगे रास्ते मे विक्टोरिया पार्क से भव्य मंगल यात्रा द्वारा ताजगंज जैन मंदिर पधारेंगे। जहाँ शामः5:30 बजे से शाम 6:30 बजे तक मुनिश्री का जिज्ञासा समाधान मन्दिर जी में आयोजित होगो संजय जैन मंदिर मंत्री ने बताया कि 8 दिसंबर को प्रातः6:30 बजे मन्दिर जी में श्रीजी का अभिषेक एव शान्तीधारा पूज्य मुनिवर सुधा सागर जी के सानिध्य मे (उनकी अभिषेक विधि द्वारा) प्रातः8:30 बजे पूज्य मुनिवर के दिव्य जिनवाणी उदवोधन ताज खेमा ताजगंज पर प्रातः10:00 बजे आहार चर्या स्वाध्याय-दोपहरः 3:00 सन्त निवास मे शामः4:00 बजे जिज्ञासा समाधान ताज खेमा ताजगंज पर आयोजित होगो 9 दिसंबर दिन शनिवार को प्रातः6:30 बजे अभिषेक मन्दिर जी मे प्रातः8:30 मुनिश्री का दिव्य उद्ववोधन ताजखेमा ताजगंज दोपहरः3:00 बजे स्वाध्याय 4:00 बजे शंका समाधान शामः5:30 से शाम 6:30 बजे तक ताजखेमा पर आयोजित होगो मीडिया प्रभारी शुभम जैन ने बताया कि मुनिसंघ के मंगल प्रवेश की तैयारियां ताजगंज सकल जैन समाज ने शुरू कर दिया है साथ ही बड़ी संख्या में गुरुभक्त गुरुदेव की अगवानी को बड़े उत्साहित हैं।

रिपोर्ट : शुभम जैन

धर्म क्रिया की सार्थकता

डॉ. नरेन्द्र जैन भारती सनावद

आत्महित के लिए धर्मात्मा धर्म का सहारा लेता है क्योंकि धर्म आत्मा की उन्नति का साधन है।

धर्म आचरण में परिवर्तन का नाम नहीं जीवन में आंतरिक परिवर्तन का नाम है।

जब मानव का मन परिवर्तित हो जाता है तब उस प्रक्रिया को धर्म के फल की प्राप्ति माना जाता है। दूसरे रूप में हम इसे हृदय परिवर्तन भी कह सकते हैं। यदि व्यक्ति हिंसक और क्रूर परिणामी है, पशुओं को मार कर जीव हिंसा करता है, उसके भाव कषाय सहित है, क्रोध, मान, माया लोभ का भाव है तो वह व्यक्ति अधार्मिक है। यदि अहिंसा और जीव दया का भाव आ जाता है तो वह कलह, अहंकार, कृपणता, क्रूरता का अंत कर देता है। यह हृदय परिवर्तन धर्म कहलाता है। थोड़ी सी कषाय भी संयम की साधना एवं शुद्ध परिणामों का घात कर देती है। कषाय हमेशा दुख ही देती है। कषाय के कारण व्यक्ति का यह भव और प्रभाव दोनों ही दुखदाई होते हैं। दुष्ट व्यक्ति दुष्टता के कार्य बाद में करता है पहले कषाय भाव जागृत करता है। कषाय के कारण जीव हिंसा होती और व्यक्ति अनियंत्रित होकर कार्य करता है। जो व्यक्ति सरलता, सज्जनता, नैतिकता और मानवीय मूल्यों को संरक्षित कर कार्य करते हैं वे व्यक्ति धर्म के अत्यंत सन्निकट होते हैं। इसलिए धर्म को मंगलमय तथा कल्याण कारक बताया गया है। अहिंसा, संयम और तप की आंतरिक साधना करना ही धर्म का पालन करना है। धर्म आचरण में परिवर्तन का नाम नहीं जीवन में आंतरिक परिवर्तन का नाम है। प्रतिदिन का अभिषेक, पूजा पाठ, भगवान की स्तुति, आचरण में परिवर्तन के लिए है। यदि ऐसा नहीं होता है तो वही क्रिया व्यर्थ है। धर्म धारण से आत्महित होना चाहिए, तभी धर्म क्रिया सार्थक होती है। पवित्र मन का धर्म ही सद आचरण को जन्म देता है और सदाचरण ही धर्म है, क्योंकि आचरण हीन लोगों का कोई धर्म नहीं होता अतः धर्म का उपयोग आत्महित तथा सदाचार की प्राप्ति में करें, ताकि आपके जीवन में परिवर्तन आ सके।

भारत वर्षीय तीर्थक्षेत्र कमेटी का राष्ट्रीय अधिवेशन 27 जनवरी को

मनीष विद्यार्थी. शाबाश इंडिया

मुंबई। भारत बर्षीय तीर्थक्षेत्र कमेटी मुंबई का राष्ट्रीय अधिवेशन णमोकार तीर्थ नासिक महाराष्ट्र में 27 जनवरी 2024 को साधारण सभा के सभी सदस्यों की उपस्थिति में संपन्न होगा। अधिवेशन के दौरान 5 वर्षीय कमेटी के चुनाव भी होगा ।24 नवंबर 2023 को कमेटी का कार्यकाल समाप्त हो गया है । तीर्थ क्षेत्र कमेटी देश की दिगंबर जैन तीर्थ क्षेत्रों के संरक्षण, संवर्धन के लिए कार्य करती है एवं तीर्थ क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए अनेक योजनाओं के साथ कार्य कर रही है । तीर्थ क्षेत्र कमेटी के राष्ट्रीय महामंत्री संतोष जैन पेंढारी ने प्रेस विज्ञप्ति मैं बताया 27 जनवरी 2024 सुबह 10:00 से राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद के लिए मतदान होगा सभी सदस्यों को पहचान पत्र के रूप में आधार कार्ड, वोटर आईडी, ड्राइविंग लाइसेंस लाना अनिवार्य है। इस आयोजन में तीर्थ क्षेत्र कमेटी के देशभर के सदस्य शामिल होंगे ।

आर्यिका श्रुतमति माताजी का 50 वां स्वर्णिम जयन्ति दीक्षा महोत्सव 7 दिसम्बर 2023 को

फागी. शाबाश इंडिया

फागी कस्बे में पार्श्वनाथ दिगंबर चैत्यालय में आर्यिका श्रुतमति माताजी का 7 दिसम्बर 2023 को 50 वां स्वर्ण दीक्षा जयन्ति महोत्सव सकल जैन समाज के सहयोग से विभिन्न धार्मिक आयोजनों के साथ हर्षोल्लास से मनाया जाएगा। जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने बताया कि दो दिवसीय उक्त कार्यक्रम में आज प्रातः 6.30 श्री जी का पंचामृत अभिषेक, शांतिधारा तथा अष्टद्रव्यों से पूजा-अर्चना हुई, मंदिर समिति के प्रतिनिधि विमल कुमार कलवाड़ा ने बताया कि दोपहर 11.30 मनोकामना सिद्धी महावीर विधान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सांयकाल बीचला मंदिर से गाजे बाजे के साथ सकल जैन समाज द्वारा 51 चांदी के दीपकों के द्वारा पार्श्वनाथ मंदिर तक आरती करते हुए आकर श्रावकों ने आनंद लिया ,अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा तथा मंदिर समिति के त्रिलोक जैन पीपलू ने संयुक्त रूप से बताया कि उक्त विधान में आर्यिका सुबोध मति माताजी के गृहस्थ जीवन के देवेन्द्र कुमार, राजीव कुमार,

मनीष कुमार जैन परिवार अजमेर निवासी ने सौधर्म इन्द्र बनकर पुण्यार्जन प्राप्त किया, एवं कार्यक्रम में कुबेर इन्द्र जयकुमार,नवीन कुमार जैन गंगवाल चकवाड़ा निवासी ने बनकर पुण्यार्जन प्राप्त किया, उक्त विधान में 251 पूज्यार्थियों ने पूजा अर्चना कर धर्म लाभ प्राप्त किया उक्त कार्यक्रम आर्यिका संघ के पावन सानिध्य में प्रतिष्ठाचार्य सुरेश जैन शास्त्री निवाई वालों के दिशा निर्देश में हुआ तथा विधान पर 108 अर्घ्य अर्पित कर सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की गई। चातुर्मास समिति के अध्यक्ष अनिल कुमार कठमाना ने अवगत कराया कि दो दिवसीय कार्यक्रम में 7 दिसम्बर को प्रातः अभिषेक, शांति धारा ओर अष्टद्रव्यों से पूजा के बाद कल प्रातः बीचला मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी ,10 बजे झंडा रोहण, तथा दोपहर 12 बजे 50 वें दीक्षा जयन्ति महोत्सव का कार्यक्रम विभिन्न आयोजनों के साथ आयोजित किया जाएगा।

सेवा के साथ मनाया जन्मदिवस

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। सेवा क्षेत्र में अग्रणी संस्था महावीर इंटरनेशनल रॉयल ब्यावर के सदस्य मोहित एवं प्रियंका कांठेड़ द्वारा अपनी पुत्री अनाया के जन्मदिवस संजय इन्क्लूजिव स्कूल में अध्ययनरत विमंदित बच्चों के साथ मनाया। इस अवसर पर कांठेड़ परिवार द्वारा बच्चो को अध्ययन एवं खाद्य सामग्री का एक किट सभी विद्यार्थियों को वितरित किया गया। इस अवसर पर विधालय परिवार के सदस्यों के अलावा प्रकाश कांठेड़, प्रियंका कांठेड़, चिंकी कांठेड़, अशोक पालडेचा, रूपेश कोठारी, अभिषेक नाहटा, दिलीप दक, पुष्पेंद्र चौधरी, सुरेन्द्र रांका, रोहित मुथा, अमित सारस्वत एवं संस्था प्रधान रणसिंह चीता, सीताराम सहित स्टाफ सदस्य आदि उपस्थित थे।

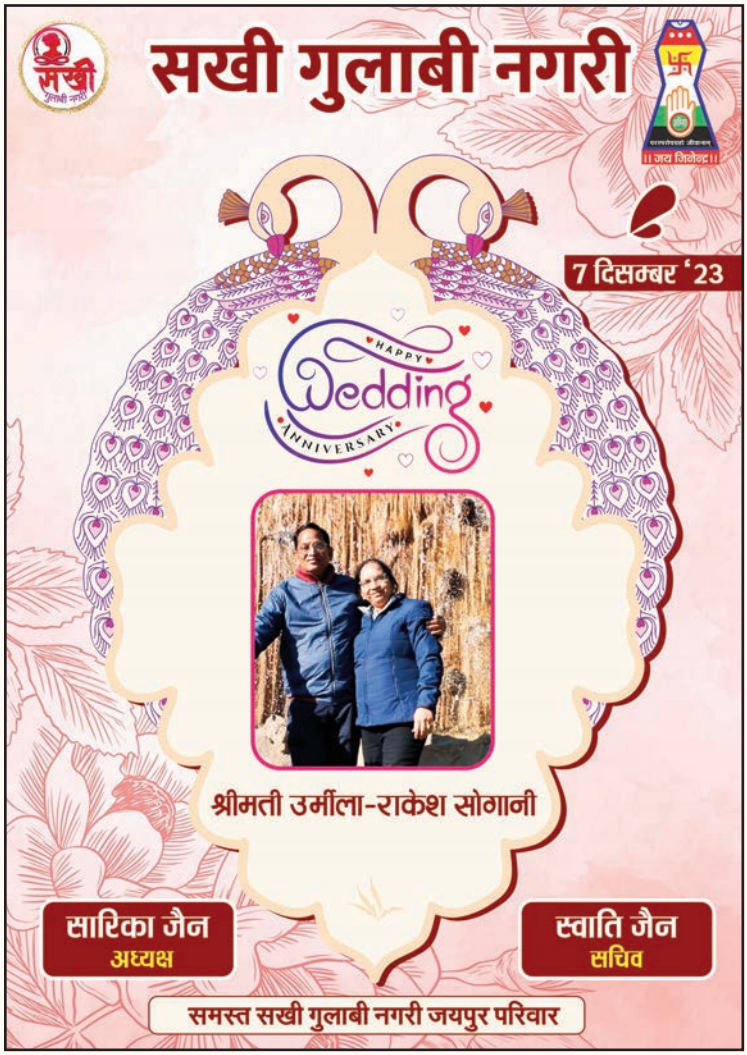

पोंग बांध, हिमाचल प्रदेश में राजस्थान की टीम ने चलाया स्वच्छ भारत अभियान

जयपुर. शाबाश इंडिया। अटल बिहारी वाजपेयी पर्वतारोहण एंव सम्बन्धित खेल संस्था, मनाली (हिमाचल प्रदेश) (जल खेल) ,पोंग बाँध प्रशिक्षण केंद्र परिसर मे राजस्थान की टीम ने स्वच्छ भारत अभियान के तहत डॉ. विशाल गौतम, कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना के निर्देशन मे अटल बिहारी पोंग बाँध प्रशिक्षण केंद्र परिसर मे पौंग बाँध के आस-पास की साफ - सफाई की तथा 70 किलो प्लास्टिक एकत्रित की। डॉ विशाल गौतम के साथ साथ अक्षय कुमार मौर्य, जय गौतम, अशोक कुमार चौधरी, आयुष शर्मा, शुभम गौतम, रिया चौधरी, वर्णिता अग्रवाल, गुनगुन मंगनानी, राशि चौधरी, ताशु मीणा ने इस पुनीत कार्य में सहभागिता की।

'अजमेर देगा वोट' जिला स्तरीय ऑनलाइन प्रतियोगिता में श्री वर्द्धमान महाविद्यालय की छात्रा चंदना सोनी का चयन

ब्यावर. शाबाश इंडिया। ब्यावर विधानसभा आम चुनाव 2023 के दौरान स्वीप गतिविधियों के अन्तर्गत ई. एल. सी. प्रभारी श्रीमती राजकुमारी कुमावत के नेतृत्व में आयोजित वोटिंग फिंगर प्रतियोगिता में श्री वर्द्धमान कन्या पी. जी. महाविद्यालय तृतीय वर्ष कला की छात्रा सुश्री चंदना सोनी पुत्री कन्हैया लाल सोनी ने तृतीय स्थान प्राप्त कर जिला स्तर पर महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया । महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. आर. सी. लोढ़ा ने छात्रा को बधाई देते हुए जानकारी दी कि छात्रा को 25 जनवरी 2024 राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर जिला स्तरीय समारोह में 5000/- रुपए एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जायेगा। इस अवसर पर श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति अध्यक्ष शांतिलाल नाबरिया, समिति मंत्री डॉ. नरेन्द्र पारख, महाविद्यालय अकादमिक प्रभारी डॉ. नीलम लोढ़ा सहित सभी संकाय सदस्यों एवं महाविद्यालय परिवार ने छात्रा को बधाई प्रेषित करते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की ।

देश के आंगन में ही हों शादी-विवाह

विजय गर्ग. शाबाश इंडिया

हाल के वर्षों में आम हो या खास, भारतीय परिवारों में डेस्टिनेशन वेडिंग का चलन बढ़ा है। इनमें अधिकतर शादियां दूसरे देशों के चर्चित स्थलों पर आयोजित की जाती हैं। वैवाहिक आयोजनों से जुड़ी यह बात समारोह स्थल के चुनाव को लेकर व्यक्तिगत रुचि और सुविधा भर की लगती है, पर इसका प्रभाव हमारे जीवन के हर पहलू पर पड़ रहा है। देश की आर्थिक-सामाजिक स्थितियां तक इसके असर से अछूती नहीं हैं। यही वजह है कि प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को भारत की मिट्टी में भारत के लोगों के बीच शादी-विवाह मनाने और देश का पैसा देश में रखने को लेकर सलाह दी है जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को लाभ मिल सके। शादी समारोहों में किए गए खर्चे छोटे- बड़े काम करने वाले कितने ही लोगों की आजीविका चलाते हैं। यही वजह है कि देश के व्यापारी वर्ग ने भी इस बात को लेकर सहमति जताई है। अगले कुछ दिनों में भारत में करीब 38 लाख शादियां होंगी। देशभर में आयोजित होने वाले वैवाहिक आयोजनों में 4.74 लाख करोड़ रुपये खर्च होंगे। यह वित्तीय प्रवाह अर्थव्यवस्था एवं भारतीय व्यापार के लिए बहुत मददगार है। देश में वस्तुओं और सेवाओं के बाजार को गति देने वाला है। किसी भी शादी में लगभग 80 प्रतिशत खर्च वस्तुओं और सेवाओं पर ही किया जाता है। भारत में सदा से ही धूमधाम से शादियां करने की रीत रही है। विवाह आयोजन में करीब 50 प्रतिशत आयोजन स्थल के किराए और खाने-पीने के इंतजामों, 15 प्रतिशत साज-सज्जा, पाँच प्रतिशत मनोरंजन और तीन प्रतिशत परिवार और परिजनों की सज-धज पर व्यय होता है। अन्य सेवाओं पर 10 प्रतिशत रकम खर्च की जाती है। समझना मुश्किल नहीं कि वैवाहिक आयोजनों का यह मौसम देश की अर्थव्यवस्था के लिए कितना बड़ा संबल है। भारतीय परिवेश में शादी अर्थव्यवस्था के लिए ही नहीं, पारिवारिक संबंधों के लिए भी संजीवनी बनकर आती है। वैवाहिक आयोजन सामाजिक मेलजोल को भी बढ़ावा देते हैं। जबकि दूर देश जा कर की जाने वाली शादियों में अपने भी सहजता से शामिल नहीं हो पाते। परिवार के लिए भी आपसी संबंधों को सींचने का उत्सव जुड़ाव के बजाय तैयारियों की नई जोजहद खड़ी कर देता है। पराए देश आयोजन करने में कानूनी संबंधी भी कई परेशानियां आती हैं। ऐसे स्थितियां खर्च भी बढ़ाती हैं और तकलीफें भी। जबकि देश में होने वाली शादियां पारिवारिक सहजता और सामाजिक समरसता का वातावरण बनाती हैं। रीत -रिवाज और परंपराओं को बचाने वाले आयोजन बनती हैं। ऐसे में यह हर तरह से सुखद ही होगा कि वैवाहिक आयोजन अपनों के बीच अपने देश में के आंगन में हों।

विजय गर्ग: सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार मलोट पंजाब

आर्यिका नंदीश्वरमति माताजी का सांभर से हुआ मंगल विहार

पांच महीने के चातुर्मास के समापन के बाद माताजी का सांभर से विहार। खाचरियावास में प्रस्तावित भव्य वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव की ओर माताजी ससंघ का विहार

अर्पित जैन. शाबाश इंडिया

भैसलाना। क्षेत्र के सांभर में पांच महीनों के चातुर्मास भक्ति एवं धर्म प्रभावना के साथ निर्विघ्न संपन्न होने के बाद आर्यिका गुरुमां नंदीश्वरमति माताजी ससंघ का मंगलवार को मंगल विहार सांभर से काजीपुरा के लिए हुआ। इस दौरान शहर के मुख्य मार्गो से होते हुए जिनेंद्रदेव के जयकारों के साथ हाथो में जैन धर्म का ध्वज लेकर जैन समाज के लोग माताजी के मंगल विहार में शामिल हुए। ज्ञात रहे माताजी के सानिध्य में खाचरियावास के महावीर स्वामी जैन मंदिर में प्रस्तावित 13 से 15 दिसंबर तक भव्य वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव के लिए माताजी का विहार खाचरियावास की ओर हुआ। माताजी का काजीपुरा से सभवतः सिनोदिया,भैंसलाना, मिंडा, रेनवाल होते हुए खाचरियावास में मंगल प्रवेश होगा।

गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने कहा...

परोपकार मानवता का मूल मूल्य

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। प. पू. भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका रत्न विज्ञाश्री माताजी के ससंघ सान्निध्य में दिनांक 10 दिसम्बर 2023 रविवार को श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी (राज.) में भव्य आयोजन होने जा रहा है जिसमें आर्यिका ससंघ के पिच्छिका परिवर्तन व 108 फीट उतुंग कलशाकार सहस्त्रकूट जिनालय के भव्य शुभारंभ का कार्यक्रम रखा जायेगा। जिसमें सभी को सम्मिलित होकर सातिशय पुण्य का अर्जन करना है।

पूज्य माताजी की संघस्थ आर्यिका विकक्षाश्री माताजी ससंघ गुन्सी की बढ़ रही है। 8 दिसम्बर 2023 को गुन्सी में गुरु माँ से ससंघ का महामिलन होगा। पूज्य माताजी के सान्निध्य में क्षेत्र का निर्माण कार्य तीव्र गति से चल रहा है । प्रतिदिन यात्रियों के समूह माताजी के दर्शनार्थ पहुंच रहे हैं। माताजी ने सभी को मंगल उद्बोधन देते हुए कहा कि - परोपकार एक मानवता का मूल मूल्य है। यह एक समरसता और सद्भावना का संकेत है जो समाज को समृद्धि और सम्मान की दिशा में अग्रसर करता है। व्यक्ति जिस प्रकार अपने उद्धार के लिए प्रयास करता है, वैसे ही परोपकार समाज का भी उत्थान करता है। परोपकार द्वारा हम दूसरों की मदद करते हैं जैसे शिक्षा, आर्थिक सहायता, दरिद्र लोगों को खान-पान आदि। यह हमें सहानुभूति, संवेदनशीलता और समरसता का अनुभव कराता है। परोपकार समाज में सद्भावना और सामर्थ्य को बढ़ाता है और लोगों के बीच भाईचारे का भाव जगाता है। यह एक सुखी और समृद्ध समाज की नींव है जो विकास के पथ पर अग्रसर होता है। सामर्थ्य और धन से भरा हुआ व्यक्ति भी अगर परोपकार करता है तो वह वास्तविक महानता को प्राप्त करता है। इसलिए, हमें सदैव परोपकार के महत्व को समझना चाहिए और अपने क्षेत्र में इसे अपनाने का प्रयास करना चाहिए।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com